इंटरनेट

INTERNET

[illegible]

इंटरनेट दुनियाभर में फैले हुए छोटे-बड़े कम्प्यूटरों का एक विराट नेटवर्क है, जो टेलीफोन लाइनों तथा केबिलों के माध्यम से एक-दूसरे से सम्पर्क करते हैं, इस समय यह संसार का सबसे बड़ा और सबसे लोकप्रिय नेटवर्क है। संसार के लगभग सभी नेटवर्क इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। इस प्रकार यह नेटवर्कों का भी नेटवर्क है. इंटरनेट की लोकप्रियता का रहस्य इसकी सरलता में है। इसमें दुनिया के किसी भी कम्प्यूटर या किसी साइट से जुड़ना उतना ही सरल है। जितना कोई टेलीफ़ोन नम्बर डायल करना।

लेकिन साधारण अर्थों में इंटरनेट कोई नेटवर्क नहीं है क्योंकि इसका कोई स्वामी नहीं है, जो इसे चलाता हो. वास्तव में यह नेटवर्कों का एक समूह या समाज है, जिसको चलाने के लिये कुछ नियम तय कर लिये गये हैं इन नियमों को प्रोटोकाल कहा जाता है इंटरनेट को बंद नहीं कर सकता। यह सबके लिये खुला हुआ है। जैसे ही हम अपने कम्प्यूटर को इंटरनेट से जुड़े किसी दूसरे कम्प्यूटर से जोड़ते हैं, वैसे ही हम भी इंटरनेट का भाग बन जाते हैं।

सबसे सरल शब्दों में आप इंटरनेट को सूचनाओं के आदान-प्रदान करने और दूर-दूर रहते हुए भी एक-दूसरे से सम्पर्क करने की अनेक विधियों के संग्रह के रूप में समझ सकते हैं ।

इंटरनेट के उपयोग (Uses of Internet)

जैसे-जैसे दुनिया में इंटरनेट का प्रसार हो रहा है, वैसे-वैसे उसके उपयोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसके उपयोगों की सीमा आपकी कल्पनाशक्ति से ही निर्धारित होती है । प्रत्येक दिन इंटरनेट के नये-नये उपयोग सामने आ रहे हैं, इनकी पूरी सूची बनाना कठिन है । फिर भी कार्यप्रणाली के अनुसार इंटरनेट के मुख्य उपयोग निम्नलिखित हैं :

- **ई-मेल (E-Mail)**: इंटरनेट के माध्यम से इलेक्ट्रानिक्स संकेतों द्वारा भेजी गयी डाक को ई-मेल कहा जाता है। यह इंटरनेट का सबसे पुराना और सबसे प्रमुख उपयोग है । वास्तव में इंटरनेट की कल्पना ई-मेल भेजने के साधन के रूप में ही की गयी थी । यदि संसार के किसी भी कोने में आपका कोई मित्र या सम्बन्धी है और उसका कम्प्यूटर इंटरनेट से जुड़ा हुआ है, तो आप सेकेण्डों में उसे ई-मेल भेजकर उसके साथ संवाद कर सकते हैं और तत्काल ही उसका उत्तर भी प्राप्त कर सकते हैं।

- **वर्ल्ड वाइड वेब (World Wide Web या WWW)** : यह एक प्रकार का डाटाबेस है, जो पूरे संसार में फैला हुआ है, इसमें सूचनाओं को विषय के अनुसार शीर्षकों तथा उपशीर्षकों में बांटकर रखा गया है । इंटरनेट से जुड़ा कोई भी व्यक्ति इस डाटाबेस से सूचनायें प्राप्त कर सकता है । इस डाटा बेस में साधारण पाठ्य सामग्री के साथ

ही चित्र, ध्वनि, वीडियो आदि भी उपलब्ध रहते है । कोई भी व्यक्ति या कम्पनी शुल्क देकर अपनी सूचनायें, जिन्हें **वेब पेज (Web Page)** या साइट **(Site)** भी कहते हैं, इस पर डाल सकता हैं ।

प्रत्येक वेब पेज का एक विशेष नाम होता है, जिससे उसे पहचाना जाता है, दो वेब पेजों का एक जैसा नाम नहीं हो सकता । वेब पेज के नाम से ही उसके वास्तविक पते का ज्ञान होता है, जो संख्याओं से बना होता है, वेब पेज के नाम को उसके पते के साथ पंजीकृत कराना पड़ता है ।

कई व्यक्ति इंटरनेट और वर्ल्ड वाइब वेब को एक ही वस्तु समझते हैं । जबकि वास्तविकता यह है कि वर्ल्ड वाइब वेब इंटरनेट का एक प्रमुख और सबसे बड़ा भाग हैं. यह इंटरनेट को देखने की विंडो अर्थात खिड़की मात्र है । यद्यपि इसकी प्रमुखता और विराट आकार के कारण इसे ही इंटरनेट समझ लिया जाता है ।

- **फाइल ट्रांसफर प्रोटोकॉल (FTP)** : यह फाइलों को इंटरनेट के एक कम्प्यूटर से किसी भी दूसरे कम्प्यूटर को प्रेषित करने की सुविधाजनक सेवा है, वैसे आप अपनी ई-मेल के साथ भी छोटी-मोटी फाइल नत्थी करके भेज सकते हैं । दो नेटवर्कों के बीच फाइलों या ई-मेल सन्देशों के आदान-प्रदान या स्थानान्तरण में जिस कम्प्यूटर या प्रोग्राम का उपयोग किया जाता है, उसे गेटवे **(Gateway)** कहा जाता है।
- **ई-कॉमर्स (E-Commerce)** :दूर-दूर स्थित व्यक्तियों या कम्पनियों द्वारा इंटरनेट के माध्यम से सम्पर्क करके वस्तुओं और सेवाओं को खरीदना-बेचना या लेन-देन करना ई-कॉमर्स कहलाता है । यह भारत के लिये इंटरनेट का एक नया उपयोग है, लेकिन अनुमान है कि भविष्य में इंटरनेट पर अन्य क्रियाओं से ज्यादा ई-कॉमर्स ही किया जायेगा।
- **बातचीत (Chatting)** : इंटरनेट से जुड़े किसी कम्प्यूटर पर कार्य कर रहे व्यक्ति द्वारा ऐसे ही किसी दूसरे कम्प्यूटर पर कार्य कर रहे व्यक्ति के साथ बातचीत की जा सकती है । इस सुविधा को चैटिंग कहा जाता है । इसमें दोनों व्यक्ति एक ही समय एक ही वेब साइट पर लॉग-इन करते हैं और अपने सन्देश अपने-अपने कम्प्यूटर पर टाइप करते हैं, जो दूसरे कम्प्यूटर पर भी दिखाई पड़ता है. इसी का सुधरा हुआ रूप वॉयस मेल **(Voice-Mail)** होता है जिसमें माइक तथा स्पीकर द्वारा दूर-दूर बैठे दो व्यक्ति इस प्रकार बात कर लेते हैं, जैसे टेलीफोन पर कर रहे हों ।
- **न्यूजग्रुप (Newsgroup)** : कोई न्यूजग्रुप बहुत से संदेशों का एक समूह या संग्रह होता है, जो किसी विशेष कम्प्यूटर पर रखा जाता है । ऐसे कम्प्यूटरों को **न्यूज सर्वर (News Server)** कहा जाता है । ये कम्प्यूटर कुछ कम्पनियों या इंटरनेट सेवा प्रदाताओं द्वारा नियंत्रित किये जाते हैं, ऐसे एक कम्प्यूटर पर हजारों न्यूजग्रुप होते हैं, जो विषयों के अनुसार बने होते हैं, आप अपनी रूचि के विषय के न्यूजग्रुप को ढूंढ सकते है, आप किसी भी न्यूजग्रुप मे डाले गये संदेशों को पढ़ सकते हैं और उसमें अपना सन्देश भी डाल सकते हैं ।

ये इंटरनेट के प्रमुख उपयोग हैं, इनमें से प्रत्येक के कई-कई रूप हो सकते हैं, और अनेकानेक रूपों के कारण उनके नाम भी अलग-अलग हो सकते हैं।

वेब ब्राउजर क्या है ? (What is Web Browser)

आप पढ़ चुके हैं कि इंटरनेट में हमें ढेर सारी सुविधायें उपलब्ध होती हैं । इन सुविधाओं का लाभ लेने के लिये अनेक प्रोग्राम प्रचलित हैं, जिनमें सैकड़ों ब्राउजर साइटें मुख्य हैं । प्रत्येक प्रोग्राम या साइट की अपनी-अपनी विशेषतायें होती है और उनकी अपनी कमियां या सीमायें भी हैं । इनके अतिरिक्त कई पैकेज ऐसे हैं जिनमें सभी आवश्यक सुविधायें एक ही जगह उपलब्ध हैं । माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन द्वारा विकसित इंटरनेट एक्सप्लोरर तथा नेटस्केप द्वारा

तैयार किया गया नेटस्केप नेवीगेटर (Netscape Navigator) ऐसे ही दो पैकेज हैं । इन दोनों में से इंटरनेट एक्सप्लोरर सबसे अधिक प्रचलित और लोकप्रिय हैं ।

इंटरनेट एक्सप्लोरर एक ब्राउजर प्रोग्राम है, जो इंटरनेट पर आपके द्वारा बतायी गयी साइटों को खोलता है और इंटरनेट से प्राप्त की गयी सूचनाओं या वेब-पेजों को देखभाल करता है । यह प्रोग्राम विंडोज 98 के साथ निःशुल्क दिया जाता है अर्थात उसका ही एक भाग है । वैसे आप उसे माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन की वेब-साइट **http://microsoft.com/ie/** से मुफ्त ही डाउनलोड कर सकते है ।

इंटरनेट एक्सप्लोरर की कार्यप्रणाली विंडोज एक्सप्लोरर से बहुत मिलती-जुलती है । इसलिये विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर कार्य करने वालों के लिये इसका उपयोग करना बहुत सरल है । वैसे यह इस प्रकार बनाया गया है कि विंडोज के अलावा अन्य ऑपरेटिंग सिस्टमों पर भी इसे चलाया जा सकता है । यह एक ऐसा क्लायंट (Client) प्रोग्राम है, जो विभिन्न प्रकार के सर्वरों (Servers) से फाइलें तथा अन्य सभी प्रकार का डाटा प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार के प्रोग्राम को वेब ब्राउजर (Web Brouser) कहा जाता है।

इंटरनेट एक्सप्लोरर की विंडो (Internet Explorer Window)

इंटरनेट एक्सप्लोरर की विंडो के मुख्य भाग नीचे के चित्र में दिखाये गये है। विंडोज 98 के अन्य प्रोग्रामों की तरह इसमें कई टूल बार होते है । इस विंडो के भागों का परिचय आगे दिया गया है।

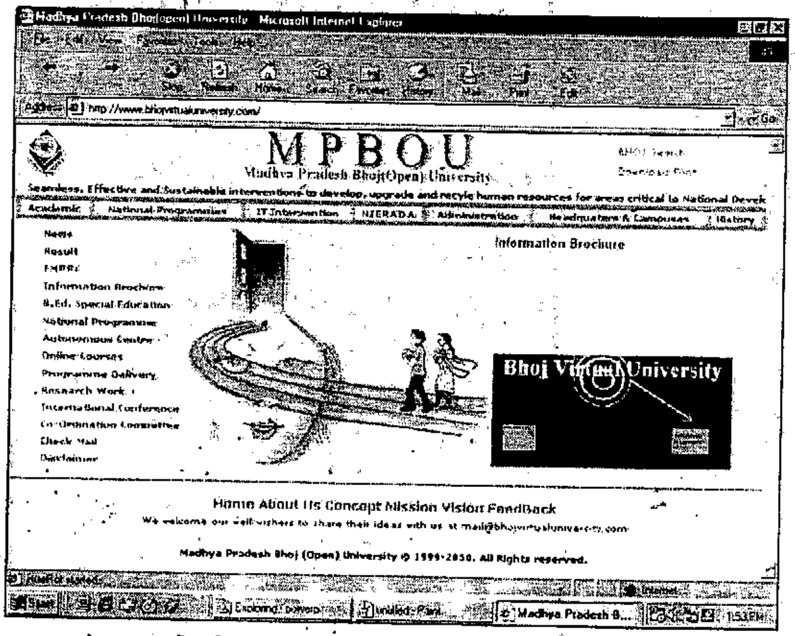

- **टाइटिल बार (Title Bar)** : इसमें प्रोग्राम के नाम के साथ किसी समय खुले हुए वेब पेज का भी नाम दिखाया जाता है इसके दाये किनारे पर क्रमशः न्यूनतम (Minimize), अधिकतम/रिस्टोर (Maximize/Restore) तथा बंद (Close) ये तीन कंट्रोल बटन बने होते हैं।
- **मेन्यू बार (Menu Bar)** : इसमें वेब पेजों पर कार्य करने के लिये सभी आवश्यक आदेश उपलब्ध होते हैं जो समूहों में बटे रहते हैं ।

- मुख्य टूल बार (Main Tool Bar) : इस टूल बार में कई ऐसे आदेश बटनों के रूप में उपलब्ध रहते हैं जिनका उपयोग सबसे अधिक किया जाता है।
- एड्रेस बार (Address Bar) : यह बार किसी वेब साइट को, जिसका पूरा नाम हमें ज्ञात है, खोलने में उपयोग किया जाता है, इसमें 'Address' के टैक्स्ट बॉक्स में साइट का पूरा अथवा न्यूनतम आवश्यक नाम टाइप करके या तो 'Go' बटन, जो प्रायः इसी बार में आगे बना होता है, क्लिक किया जाता है या एण्टर (Enter) दबाया जाता है, जिससे साइट खोलने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है।
- साइट क्षेत्र (Site Area) : यह इस विंडो का मुख्य भाग है, जिसमें खोली गयी साइट का एक पृष्ठ, जिसे वेब पेज कहते हैं, या उसका कोई भाग दिखाया जाता है इसमें मॉनीटर की स्क्रीन तथा वेब पेज के आकार के अनुसार आवश्यक होने पर क्षैतिज (Horizontal) या ऊर्ध्वाधर (Vertical) या दोनों स्क्रॉल बार भी स्वतः बन जाते हैं, जिनकी सहायता से आज वेब पेज के किसी भी भाग को देख सकते हैं।
- स्टेटस बार (Status Bar) : विंडो में सबसे नीचे बने इस बार में किसी भी समय खुली हुई वेब साइट की स्थिति दिखायी जाती है। इसके बाएं भाग में खुले हुए वेब पृष्ठ का पूरा नाम, जिसे उसका पता (Address) भी कहते हैं, दिखाया जाता है। बीच के भाग में वेब पृष्ठ खुलने की प्रगति दिखायी जाती है। इसके अलावा इस बार में कुछ अन्य सूचनायें दी जाती हैं।

मुख्य टूल बार (Main Tool Bar) :-

इंटरनेट एक्सप्लोरर के मुख्य टूल बार में कई बटन होते हैं जिनका उपयोग मुख्यतः इंटरनेट के कार्यों में किया जाता है, यह टूल बार नीचे दिखाया गया है।

इस टूलबार के बटनों का परिचय और उनका उपयोग निम्न प्रकार है :

Back : इस बटन को क्लिक करके आप वर्तमान वेब-पेज पर आने से ठीक पहले दिखाये गये वेब-पेज (यदि कोई हो) में आ जाते हैं। माउस पॉइंटर को इस बटन पर लाकर एक क्षण रूकने पर उस वेब-पेज का नाम उभर आता है, जिस पर आप इस बटन को क्लिक करने पर पहुच जायेंगे। यदि आप और अधिक पहले के किसी वेब-पेज में जाना चाहते हैं, तो इस बटन के काले त्रिकोण को क्लिक कीजिए, जिसमें पहले दिखाये जा चुके सभी वेब-पेजों की सूची दिखायी जायेगी,आप उनमें से किसी को भी क्लिक करके चुन सकते हैं।

Forward : इस बटन को क्लिक करने आप वर्तमान वेब-पेज से अगले वेब-पेज (यदि कोई हो) में आ जाते हैं। यह बटन केवल तब सक्रिय होता है, जब आपने 'Back' बटन का उपयोग किया हो। माउस प्वाइंटर को इस बटन पर लाकर एक क्षण रूकने पर उस वेब-पेज का नाम उभर आता है, जिस पर आप इस बटन को क्लिक करने पर पहुंच जायेंगे। यदि आप और अधिक बाद के किसी वेब-पेज में जाना चाहते हैं तो इस बटन के काले त्रिकोण कीजिए। जिससे बाद में दिखाये गये सभी वेब-पेजों की सूची दिखायी जायेगी। आप उनमें से किसी को भी क्लिक करके चुन सकते हैं।

Stop: इस बटन को क्लिक करने से आपके द्वारा दिया गया अन्तिम आदेश रद्द हो जाता है यदि उस समय यह प्रोग्राम इंटरनेट से कुछ पढ़ने या भेजने की कोशिश कर रहा होगा, तो वह कोशिश बन्द हो जाती है, ताकि आप कोई दूसरा आदेश दे सकें।

Refresh: इस बटन को क्लिक करने से आपके वर्तमान वेब-पेज की सभी सूचनायें फिर से पढ़ी जाती हैं । यह बटन उस समय उपयोगी है, जब सूचनायें बदलती रहती हों, जैसे खेले जा रहे किसी क्रिकेट मैच का स्कोर या शेयरों के बदलते हुए भाव। साथ ही यदि किसी वेब-पेज की सामग्री आते-आते बीच में ही रूक गयी हो, तो आप इस बटन को क्लिक करके उसे शुरू से पुनः पढ़ने का आदेश दे सकते हैं।

Home: इस बटन को क्लिक करके आप अपने (अर्थात होस्ट साइट के) होम-पेज में आ सकते हैं ।

Search: इस बटन की सहायता से आप इंटरनेट पर कोई सूचना ढूंढ सकते हैं। इस बटन को क्लिक करने पर आपको एक डायलाग बॉक्स दिया जाता है जिसमें ढूंढे जाने वाले कुछ शब्द भरवाये जाते हैं ।

Favorites: इस बटन के द्वारा आप अपनी उन मनपसन्द साइटों या वेब-पेजों की सूची बना सकते हैं जिन्हें सबसे ज्यादा खोलते हैं ताकि कभी आवश्यकता होने पर आप उसका नाम इस सूची में से चुनकर तत्काल उस वेब-पेज तक पहुंच सकें।

History: इस बटन के द्वारा आप उन साइटों को फिर से खोल सकते हैं जिनको आपने पिछली कुछ अवधि में खोला था। उन साइटों का पूरा वेब पता हिस्ट्री फाइल में स्टोर हो जाता है और उसमें निर्धारित अवधि तक बना रहता है। उनको खोलने के लिये आपको पता टाइप करने की आवश्यकता नहीं है।

Fullscreen: इस बटन को क्लिक करने से इंटरनेट एक्सप्लोरर के सभी टूल बार छिप जाते हैं और उसमें खुला हुआ वेब-पेज पूरी स्क्रीन को घेर लेता है।

Mail: इस बटन की सहायता से आप आई हुई ई-मेल को पढ़ सकते हैं और नयी ई-मेल भेज सकते हैं।

Print: इस बटन को क्लिक करके आप खुले हुए वेब-पेज की सामग्री को अपने कम्प्यूटर से जुड़े किसी प्रिंटर पर छपवा सकते हैं।

Edit: इस बटन की सहायता से आप किसी वर्ड प्रोसेसर, जैसे- एम. एस. वर्ड, वर्डपैड अथवा नोटपैड को प्रारम्भ करके किसी दस्तावेज को सम्पादित कर सकते हैं।

इंटरनेट साइटों के पते (Internet Site Addresses)

वेब साइट इंटरनेट का मूल आधार होते हैं और इनका अधिक से अधिक उपयोग करना ही इंटरनेट का उद्देश्य होता है। प्रत्येक वेबसाइट में कई वेब पेज हो सकते हैं, जिनमें से एक उसका मुख्य वेब पेंज होता है। प्रत्येक वेब पेज का एक विशेष नाम होता है, जो उसका वास्तविक पता भी बताता है। वेब ब्राउजर प्रोग्राम, जैसे इंटरनेट एक्सप्लोरर, उस वेब पेजको इंटरनेट से जुड़े सभी कम्प्यूटरों में ढूंढने के लिए उस नाम

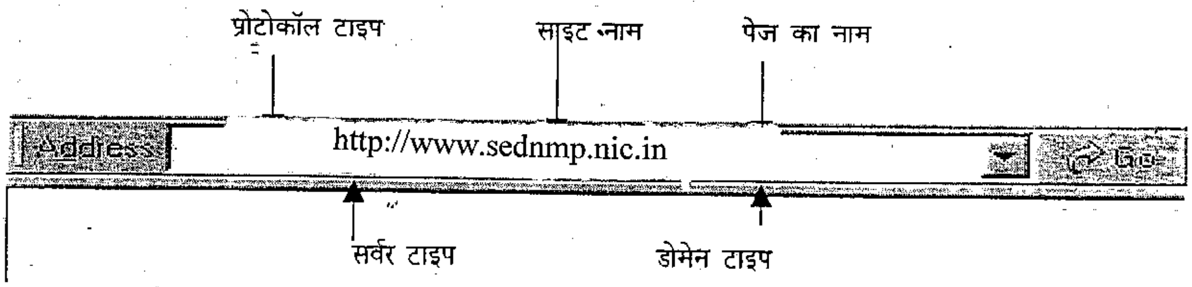

या पते का उपयोग करता है। ऐसे इंटरनेट पतों को यूआरएल (URL या Uniform Resource Locator) कहा जाता है।

किसी इंटरनेट पते या यूआरएल के कई भाग होते हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है :

- यूआरएल का पहला भाग प्रोटोकाल टाइप बताता है। कोई प्रोटोकाल नियमों का एक समूह होता है, जिनके द्वारा कम्प्यूटरों के बीच सूचनाओं का लेन-देन किया जाता है। किसी वेब पेज का प्रोटोकॉल टाइप http होता है, जो "Hypertext Transfer Protocol" का छोटा रूप है। डाउनलोड की जाने वाली फाइलों को रखने वाली साइटों के पते का पहला भाग ftp होता है, जो "File Transfer Protocol" को व्यक्त करता है। प्रोटोकॉल टाइप के बाद पते में एक कॉलोन (:) तथा दो स्लैश (#) होते हैं।
- पते का दूसरा भाग सर्वर टाइप को व्यक्त करता है। यह सामान्यतया www होता है, जो World Wide Web का लघु रूप है।
- तीसरा भाग साइट का मुख्य नाम होता है, जिससे उसे पहचाना जाता है।
- चौथा भाग डोमेन टाइप को व्यक्त करता है। यह तीन अक्षरों का बना होता है, जो साइट के मुख्य नाम के अंत में डॉट (.) लगाकर जोड़ा जाता है। यह साइट बनाने वाली कंपनी की पहचान बताता है। उदाहरण के लिये, **.com** (जिसका उच्चारण डॉट कॉम किया जाता है) एक व्यापारिक कंपनी की ओर संकेत करता है। इसी प्रकार **.edu** किसी शैक्षिक संस्था को और **.org** किसी सामान संगठन को व्यक्त करते हैं।
- वेब साइट के पते में वेब पेज का नाम भी हो सकता है, जो साइट के किसी विशेष पेज को पहचानता है। साइट के मुख्य या होम पेज का कोई नाम नहीं होता। जब भी आप होम पेज से साइट के किसी दूसरे पेज पर जाते हैं, उसका नाम साइट के नाम में जुड़ जाता है। एक स्लैश वेब पेज के नाम को साइट के पते से अलग करता है।

जब भी आप किसी साइट या उसके किसी पेज को खोलते है, उसका पूरा नाम एड्रेस बार में दिखाया जाता है।

वेब साइट खोलना (Opening a Web Site)

कई बार आप किसी विज्ञापन में, टी. वी. कार्यक्रम में, किसी ई-मेल में या अन्य किसी स्त्रोत से किसी वेब साइट का नाम ज्ञात कर लेते हैं। यदि आप उसे खोलना चाहते हैं, तो सरलता से ऐसा कर सकते हैं। किसी वेब साइट का नाम ही उसका वेब पता भी होता है। नाम मालूम होने पर बहुत सरलता से उस साइट को खोला जा सकता है। इसकी दो विधियां हैं, जो नीचे बतायी जा रही है -

पहली विधि

1. इंटरनेट एक्सप्लोरर प्रारम्भ कीजिए।
2. एड्रेस बार में कहीं भी क्लिक कीजिए, इससे कर्सर, जो एक खड़ी रेखा के रूप में होगा, वहां पहुंच जायेगा।

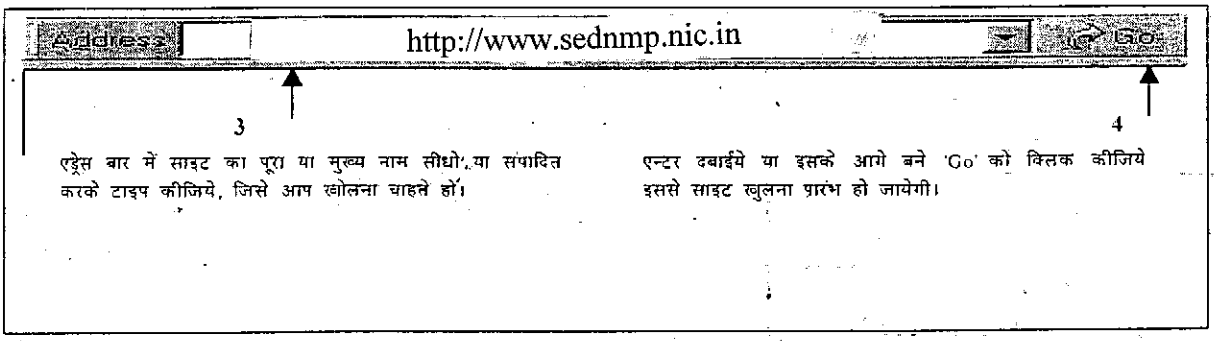

दूसरी विधि

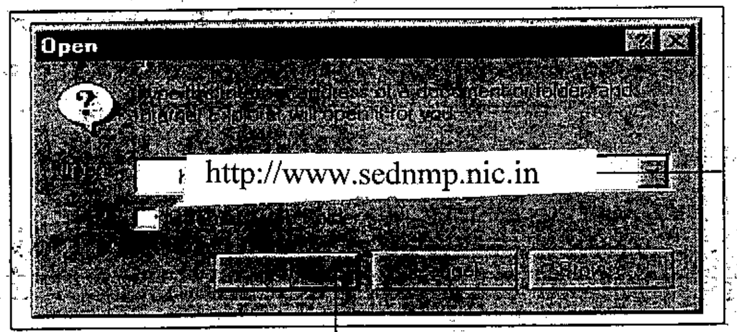

1. File मेन्यू में 'Open' आदेश दीजिये, इससे 'Open' का डायलाग बाक्स खुल जायेगा

2. यहां उस साइट का नाम टाइप कीजिये, जिसे आप खोलना चाहते हैं।

3. 'OK' बटन को क्लिक कीजिये इससे साइट खुलना प्रारंभ हो जायेगी।

यदि आपने साइट का नाम सही भरा है, तो साइट खुल जायेगी और गलत भरा है तो "यह साइट नही मिली" संदेश दिया जायेगा। अलग-अलग साइटों को खुलने में अलग-अलग समय लगता है। कोई साइट तुरन्त खुल जाती है, तो किसी-किसी को पूरा खुलने में कई मिनट लग जाते हैं। इस कार्य की प्रगति का पता उसकी विंडो में नीचे बने हुए स्टेट्स बार से चलता है। यदि एड्रेस बार में किसी अन्य साइट का नाम पहले से भरा है, तो आप उसे सम्पादित करके भी अपनी इच्छित साइट का नाम तैयार कर सकते हैं।

आप जानते हैं कि किसी साइट में कई वेब पेज होते हैं। प्रत्येक वेब पेज का एक विशेष नाम या पता होता है, जो उसको स्टोर करके रखने वाले कम्प्यूटर का पता भी बताता है। वेब पेजों में दिखायी गयी सामग्री या सूचनायें ही

एड्रेस बार : इसमें वेब पेज का पता दिखाया जाता है।

सर्च बाक्स : इसके द्वारा इंटरनेट या साइट में सूचनाएं ढूंढी जा सकती हैं।

हाइपरलिंक : इसको क्लिक करके आप विज्ञापनदाता की साइट को खोल सकते हैं।

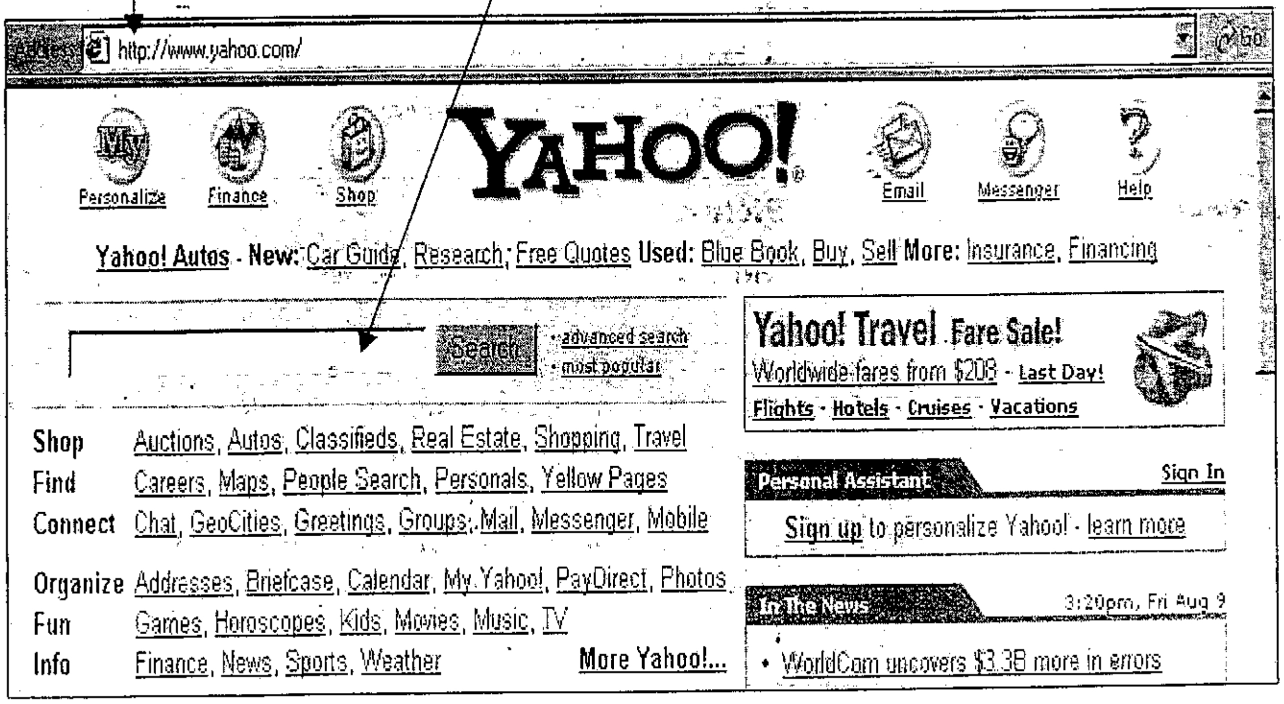

किसी साइट की विशेषतायें होती हैं। वेब पेजों में उपलब्ध सामग्री का अधिक-से-अधिक और अच्छे-से-अच्छे उपयोग करना भी इंटरनेट का मुख्य उद्देश्य है। यद्यपि वेब पेज अपनी डिजायन और फॉर्मेट के अनुसार एक-दूसरे से बहुत भिन्न होते हैं लेकिन उनमें कुछ बातें या तत्व समान रूप से पाये जाते हैं जो नीचे के चित्र में दिखाये गये हैं । किसी वेब पेज में जब भी माउस पॉइंटर किसी हाइपर लिंक या हॉट लिंक पर आता है, वह हाथ के चिन्ह में बदल जाता है और उस लिंक के वेब पेज का पता स्टेट्स बार में दिखायी पड़ता है, इससे पता चलता है कि यहां क्लिक करने से कोई अन्य साइट या वेब पेज खुल जायेगा।

वेब पेज पर कार्य करना ([illegible])

किसी वेब पेज में भरी हुई सूचनायें महत्वपूर्ण होती है। वास्तव में सूचनाओं या सामग्री के कारण ही किसी वेब पेज का महत्व होता है। आप इन सूचनाओं का कई प्रकार से उपयोग कर सकते हैं और इन पर कई प्रकार की कियायें कर सकते हैं। इन क्रियाओं के बारे में यहां संक्षेप में बताया जा रहा है।

टैक्स्ट को कॉपी करना (Copying Text)

1. वेब पेज पर उस टैक्स्ट को चुन लीजिए, जिसे आप कॉपी करना चाहते हैं। यदि पूरे वेब पेज का टैक्सर नकल करना चाहते हैं तो **'Edit'** मेन्यू में **'Select All'** आदेश दीजिए या कंट्रोल **+A** दबाइए।
2. कापी करने के लिये **'Edit'** मेन्यू में **'Copy'** आदेश दीजिए या कंट्रोल **+ C** दबाइए।
3. अब उस फाइल को खोलिए, जिसमें आप टैक्स्ट ले जाना चाहते हैं।
4. पेस्ट करने के लिये **'Paste'** आदेश दीजिए या कंट्रोल **'+V'** दबाइए।

वेब पेज को प्रिंट करना (Printing a Web Page)

1. उस वेब पेज को खोल लीजिए, जिसे आप प्रिंट करना चाहते हैं।
2. प्रिंट करने के लिये **file** मेन्यू में **'Print'** आदेश दीजिए या कंट्रोल **+P** दबाइए, इससे आपको **Print** का डायलाग बॉक्स दिया जाएगा ।
3. इस डायलाग बॉक्स में विभिन्न विकल्पों को सेट कीजिए ।
4. **'OK'** बटन को क्लिक कीजिए, जिससे प्रिंटिंग प्रारंभ हो जायेंगी ।

पिक्चर को सेव करना (Saving a Picture)

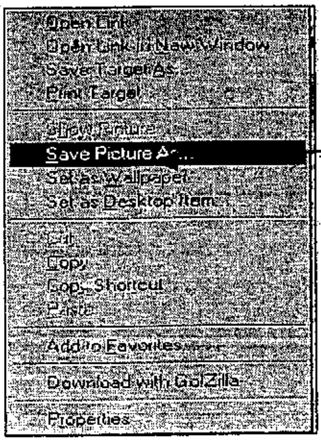

1. जिस पिक्चर को आप सुरक्षित करना चाहते हैं, उसे दायां-क्लिक कीजिए ।

2. शार्टकट मेन्यू में **'Save Picture as ....'** आदेश दीजिए, इससे **'Save Picture'** का डायलाग बॉक्स खुल जायेगा।

3. इस डायलाग बॉक्स में **'Save In'** लिस्ट बॉक्स में फोल्डर का नाम चुनिए और **'File Name'** बॉक्स में फाइल का नाम टाइप कीजिए ।

4. यदि फाइल का फॉर्मेट बदलना चाहते हैं तो **'Save As Type'** लिस्ट बॉक्स में से उचित फॉर्मेट चुनिए।
5. **'Save'** बटन को क्लिक कीजिए, जिससे चित्र सुरक्षित हो जायेगा।

वेब पेज को सेव करना (Saving Web Page)

1. जिस वेब पेज को आप सेव करना चाहते हैं, उसे खोल लीजिए ।
2. **'File'** मेन्यू में **'Save As....'** आदेश दीजिए, इससे **'Save Web Page'** का डायलाग बॉक्स खुल जायेगा।

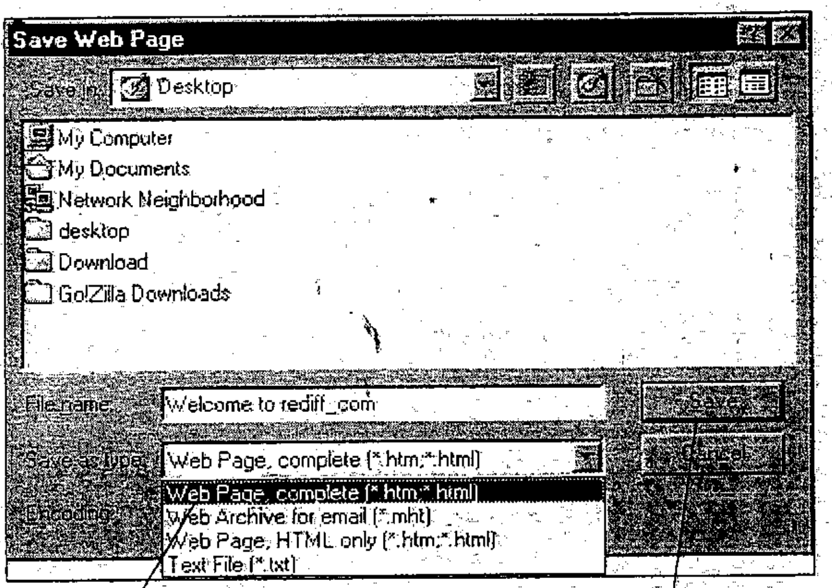

3. **'Save In'** लिस्ट बॉक्स में फोल्डर का नाम चुनिए।

4. इस बॉक्स में फाइल का नाम टाइप कीजिए ।

5. **'Save As Type'** लिस्ट बॉक्स में से फाइल का उचित फॉर्मेट चुनिए ।

6. **'Save'** बटन को क्लिक कीजिए, ज़िससे वेब पेज सुरक्षित हो जायेगा ।

वेब पेज में टैक्स्ट खोजना (Searching Text in a Web Page)

1. वेब पेज को खोल लीजिए ।
2. 'Edit' मेन्यू में 'Find ....' आदेश दीजिए या कंट्रोल +F दबाइए, इससे 'Find' का डायलाग बॉक्स खुल जायेगा।
3. यहां वह शब्द टाइप कीजिए, जिसे आप खोजना चाहते हैं।

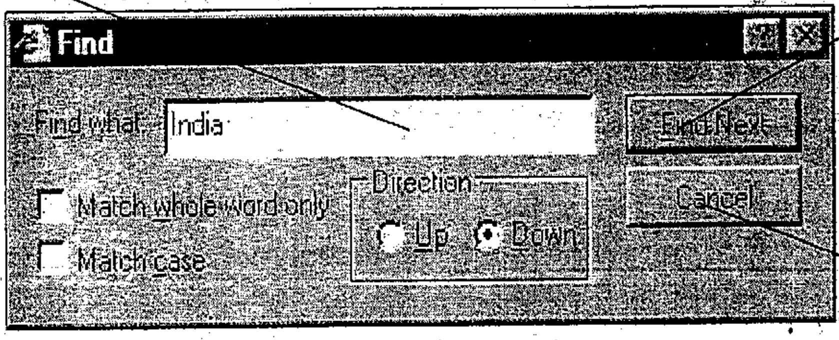

4. 'Find Next' बटन को क्लिक कीजिए, जिससे उस शब्द की अगली आवृत्ति पर कर्सर रूक जायेगा।
5. स्टेप 4 को जितनी बार आवश्यक हो, दोहराइए ।
6. इस डायलाग बॉक्स को बन्द करने के

लिये 'Cancel' बटन को क्लिक कीजिए।

फेवरेट [illegible]

इंटरनेट में कई वेब पेज आपकी विशेष रूचि के हाते हैं और उन्हें आप बार-बार खोलते हैं। ऐसे वेब पेज का पता (वास्तव में शार्टकट) आप फेवरेट फोल्डर में जोड़ सकते हैं और वहीं से क्लिक करके खोल सकते हैं। इससे आप उस वेब पेज का पता टाइप करने के झंझट से बच सकते हैं।

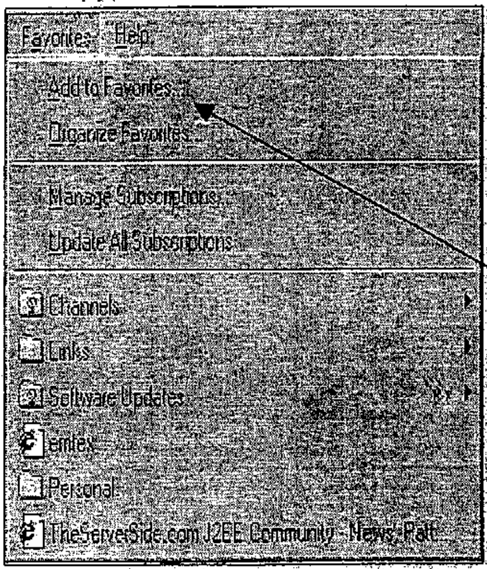

1. उस वेब पेज को खोल लीजिए, जिसे आप फेवरेट में जोड़ना चाहते हैं।

2. 'Favorites' मेन्यू में 'Add to Favorites...' आदेश दीजिए, इससे 'Add Favorite' का डायलाग बॉक्स खुल जाएगा।

3. इस टैक्स्ट बॉक्स में वेब पेज का नाम दिखाया जाएगा। जैसा कि वह फेवरेट फोल्डर में दिखायी देगा। यदि आप इसे बदलना चाहते हैं। तो नया नाम टाइप कीजिए।

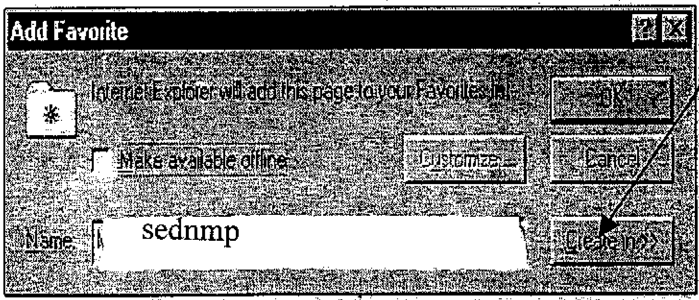

4. फोल्डर चुनने के लिए 'Create in >>' बटन को क्लिक कीजिए, इससे इस डायलाग बॉक्स का आकार बढ़ जाएगा।

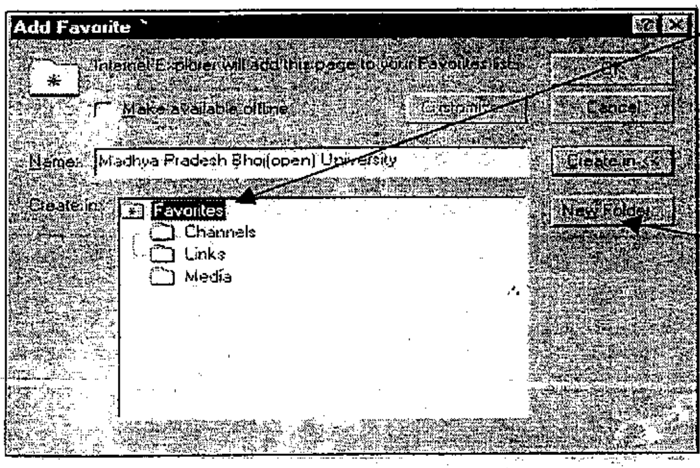

5. इनमें से उस फोल्डर का नाम चुनिए, जिसमें आप वेब पेज का पता जोड़ना चाहते हैं।

6. यदि नया फोल्डर बनाना चाहते हैं, तो 'New Folder....' बटन को क्लिक कीजिए, इससे आपको 'Create New Folder' का डायलाग बॉक्स दिया जाएगा।

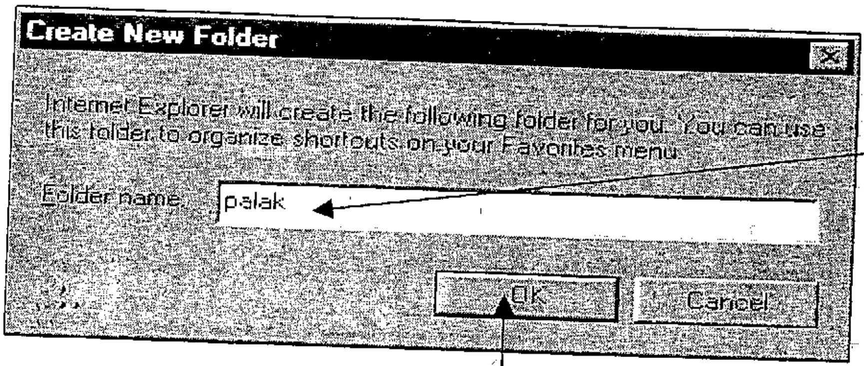

7. यहां नए फोल्डर का नाम टाइप कीजिए।

8. 'OK' बटन को क्लिक कीजिए, जिससे एक नया फोल्डर फेवरेट फोल्डर या अन्य चुने हुए फोल्डर में जुड़ जाएगा और आप वापस 'Add Favorite' के डायलाग बॉक्स में आ जाएंगे।

9. अन्त में 'OK' बटन को क्लिक कीजिए, जिससे उस वेब पेज का पता फेवरेट या अन्य किसी चुने हुए फोल्डर में जुड़ जाएगा।

'Add Favorite' का डायलाग बॉक्स आप वेब पेज को दायां-क्लिक करके और उससे खुलने वाले शार्टकट मेन्यू में 'Add to Favorites...' विकल्प को क्लिक करके भी प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आप कोई फोल्डर नहीं चुनते, तो वेब पेज का नाम और शार्टकट सबसे ऊपरी अर्थात् 'Favorites' फोल्डर में जोड़ दिया जाएगा।

सर्च इंजन तथा डायरेक्टरियां (Search Engines and Directories)

आप जानते हैं कि इंटरनेट पर सूचनाओं का एक विराट भंडार होता है, इसलिये यह जानना आवश्यक है कि इंटरनेट पर सूचनायें किस प्रकार खोजी जाती है।

सर्च इंजन (Search Engines)

किसी विषय पर सूचनायें खोजने के कार्य में कुछ विशेष प्रोग्रामों की सहायता ली जाती है, जिन्हें सर्च इंजन कहा जाता है, कोई सर्च इंजन एक ऐसा प्रोग्राम होता है, जो इंटरनेट पर उपलब्ध वेब साइटों में भरे हुए शब्दों या वाक्यांशों के अनुसार उन वेब साइटों या वेब पेजों की सूची बना लेता है, जिनमें वे शब्द या वाक्यांश पाये जाते है । ऐसी सूची को कैटेलाग (Catalog) कहा जाता है, प्रत्येक सर्च इंजन की कैटेलाग बनाने की अलग विधि होती है । कुछ सर्च इंजन प्रत्येक वेब पेज पर उपलब्ध पाठ्य की जांच करके कैटेलाग बनाते हैं, तो कुछ केवल वेब पेजों के शीर्षकों और प्रमुख शब्दों (Keywords) की ही जॉच करते हैं । इसलिये प्रत्येक सर्च इंजन का अपना अलग कैटेलाग होता है, जिसे समय-समय पर सुधारा जाता रहता है । सर्च इंजन का उपयोग करने के लिये हमें उससे जुड़ी वेब साइट को खोलना पड़ता है। इन वेब साइटों को सर्च साइट (Search Site) कहते हैं । सामान्यतया प्रत्येक ब्राउजर साइट का अपना सर्च इंजन होता है । कुछ मुख्य सर्च साइटों के नाम नीचे दिये गये है -

www.google.com
www.lycos.com
www.altavista.com
www.amazon.com
www.rediff.com

जब आप किसी विषय पर सूचनायें खोजना चाहते हैं, तो सर्च साइट में एक निर्धारित स्थान या बॉक्स में उस विषय से संबंधित कुछ प्रमुख शब्द या वाक्यांश भरते हैं । तब सर्च साइट अपने सर्च इंजन द्वारा बनाये गये कैटेलाग में उन शब्दों या वाक्यांशों को खोजता है और उन वेब साइटों की सूची आपको दिखा देता हैं, जिनमें वे पाये जाते हैं।

डायरेक्टरीज (Directories)

कोई डायरेक्टरी एक ऐसी सर्च साइट है, जो अपनी सूचनाओं को वर्गों में बॉटकर रखती है। लोकप्रिय वेब साइट www.yahoo.com वास्तव में एक डायरेक्टरी है किसी डायरेक्टरी का उपयोग करना ठीक वैसे ही है, जैसे आप किसी पुस्तकालय में पुस्तकों की सूची या कैटेलाग देखते हैं । कुछ सर्च साइटों में सर्च इंजन तथा डायरेक्टरी दोनों पाये जाते हैं।

ई-मेल क्या है ? (What is E-mail)

आजकल पूरे विश्व में लोग कम्प्यूटर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मेल द्वारा सन्देश भेजकर एक-दूसरे से सम्पर्क या संवाद करते हैं । इंटरनेट या किसी लोकल एरिया नेटवर्क पर इलेक्ट्रॉनिक रूप में भेजे गये सन्देश को ई-मेल कहा जाता है।

विकसित देशों में ही नहीं, हमारे देश में भी ई-मेल तेंजी से सामान्य पत्रों तथा टेलीफोन वार्ताओं का स्थान लेती जा रही है । किसी को ई-मेल सन्देश भेजने के लिये लिफाफे पर पता लिखने, टिकिट चिपकाने और उसे किसी पत्र-पेटिका में डालने के स्थान पर आपको केवल 'Send' बटन दबाना पड़ता है, कार्यालयों कार्यो में ई-मेल साधारण पत्र व्यवहार की तुलना में बहुत उपयोगी होता है ।

इंटरनेट पर ई-मेल भेजने और प्राप्त करने के लिये आपके पास इंटरनेट के उपयोग की सुविधा के साथ अपना ई-मेल खाता भी होना चाहिए । ऐसा खाता या तो आप किसी इंटरनेट सेवा प्रदाता (Internet Service Provider) कम्पनी के द्वारा खोल सकते हैं या मुफ्त में यह सुविधा उपलब्ध कराने वाली कम्पनियों में से किसी के द्वारा खोल सकते हैं लेकिन मुफ्त में ई-मेल खाता खोलने पर आपको बहुत सी अनावश्यक ई-मेल प्राप्त होती है, जो विज्ञापनदाताओं की ओर से भेजी जाती है । कभी-कभी ऐसी ई-मेल के साथ खतरनाक वायरस भी प्राप्त हो जाते हैं वैसे आजकल ऐसी सुविधा पूरी तरह मुफ्त नहीं रह गयी है और कई कम्पनियां इसके लिये शुल्क लेने लगी हैं ।

- **ई-मेल पता (E-Mail Address) :** जब आप कोई ई-मेल खाता खोलते हैं, तो आपको एक ई-मेल पता दिया जाता है, जो इंटरनेट पर आपको पहचानता है। जो लोग आपको ई-मेल भेजना चाहते हैं, उन्हें इसकी आवश्यकता होती है। जिन लोगों से आप ई-मेल द्वारा सम्पर्क करना चाहते है, उनके ई-मेल पते की आवश्यकता आपको होती है। इसलिये आजकल लोग अपने विजिटिंग कार्डो पर भी ई-मेल पता छपवाने लगे हैं।

किसी ई-मेल पते में चार तत्व होते हैं । उदाहरण के लिये, एक ई-मेल email - rsd_mpbou@yahoo.com है। इसका विवरण निम्न प्रकार है :

- **rsd_mpbou@ यूजरनेम है** : चिन्ह @ (जिसका उच्चारण ऐट द रेट किया जाता है) यूजरनेम को मेल-सर्वर के नाम से अलग करता है ।

'yahoo' मेल-सर्वर नेम हैं । यह नाम उस सर्वर (या कम्प्यूटर) को पहचानता है जिसके द्वारा आप ई-मेल भेजते और प्राप्त करते हैं। आपके सभी ई-मेल सन्देश पहले इसी पर स्टोर किये जाते हैं, ताकि आप उन्हें बाद में कभी-भी पढ़ सकें ।

'.com' (जिसका उच्चारण 'डॉट काम' किया जाता है) एक विस्तार नाम है, जो ई-मेल सेवा देने वाली कम्पनी का प्रकार बताता है । '.in' या '.org' अन्य विस्तार नाम हो सकते हैं ।

- **व्यक्तिगत ई-मेल खाते** : इंटरनेट में लगभग सभी ब्राउजर या होस्ट-साइटों में आप अपना व्यक्तिगत ई-मेल खाता खोल सकते हैं । अधिकांश ब्राउजर साइटों में इसके लिये कोई शुल्क नहीं लिया जाता, परन्तु कुछ साइटों ने अब शुल्क लेना प्रारंभ कर दिया है, जैसे- 123india.com फिर hotmail.com, yahoo.com, webduniya.com, आदि कई साइटों में अभी भी यह सेवा निःशुल्क दी जा रही है ।

व्यक्तिगत ई-मेल खाते को आप अपना लैटर-बॉक्स मान सकते हैं, जिसमें आपके नाम आने वाली समस्त ई-मेल को सुरक्षित रख लिया जाता है। इस कार्य के लिये आपको लगभग 10 मेगाबाइट स्थान मुफ्त उपलब्ध कराया जाता है । अपने लैटर-बॉक्स को आप कभी भी खोल सकते हैं और उसमें आई हुई ई-मेल को पढ़ सकते हैं । वहीं से आप ई-मेल का उत्तर दे सकते है। और नई ई-मेल भेज सकते हैं । इतना ही नहीं, आप अपनी ई-मेल के साथ छोटी-मोटी फाइलें भी नत्थी करके भेज सकते हैं ।

सभी ब्राउजर साइटों में ई-मेल खाता खोलने की विधि लगभग एक जैसी हैं । यहां www.hotmail.com के माध्यम से यह किया समझायी गयी है ।

इंटरनेट में लगभग सभी ब्राउजर या होस्ट साइटों में आप अपना व्यक्तिगत ई-मेल खाता खोज सकते हैं। अधिकांश ब्राउजर साइटों में इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता, परन्तु कुछ साइटों ने अब शुल्क लेना प्रारम्भ कर दिया है, जैसे 123india.com. फिर भी hotmail.com, yahoo.com, webduniya.com आदि कई साइटों में अभी भी यह सेवा निःशुल्क दी जा रही है।

व्यक्तिगत ई-मेल खाते को आप अपना लैटर-बॉक्स मान सकते हैं, जिसमें आपके नाम आने वाली समस्त ई-मेल को सुरक्षित रख लिया जाता है। इस कार्य के लिए आपको लगभग 10 मेगाबाइट स्थान मुफ्त उपलब्ध कराया जाता है। अपने लैटर-बॉक्स को आप कभी भी खोल सकते हैं और उसमें आई हुई ई-मेल को पढ़ सकते हैं। वहीं से आप ई-मेल का उत्तर दे सकते हैं और नई ई-मेल भेज सकते हैं। इतना ही नहीं, आप अपनी ई-मेल के साथ छोटी-मोटी फाइलें भी नत्थी करके भेज सकते हैं।

सभी ब्राउजर साइटों में ई-मेल खाता खोलने की विधि लगभग एक जैसी है, यहां www.hotmail.com के माध्यम से यह क्रिया समझायी गयी है।

1. इंटरनेट कनेक्शन जोड़कर www.hotmail.com साइट को खोल लीजिए।

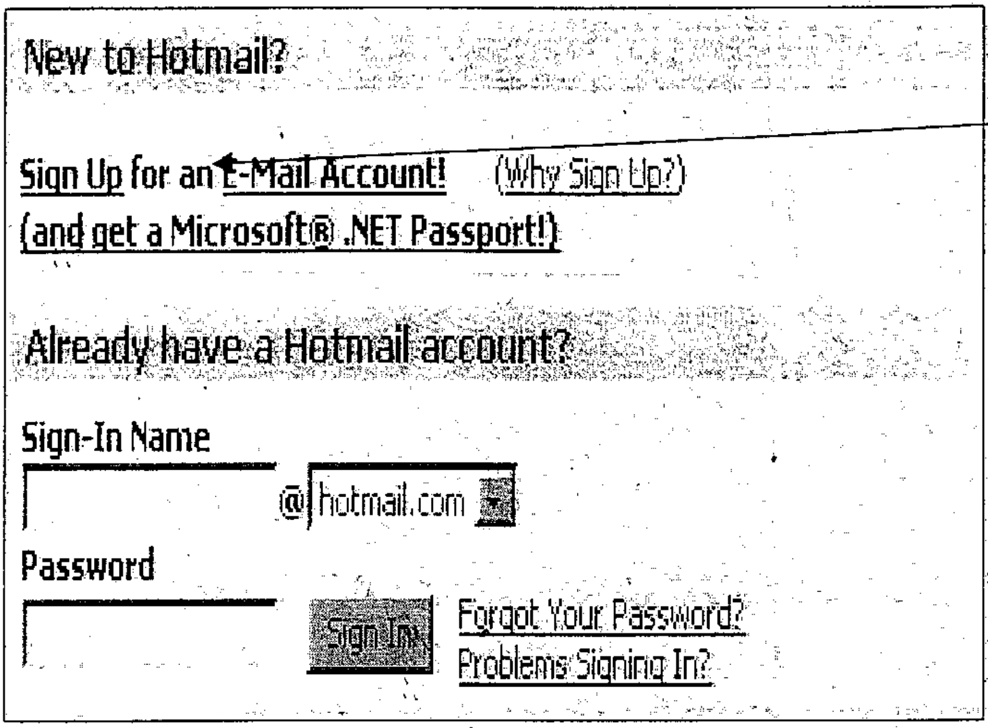

2. इसके एक भाग में 'Sign Up for a FREE E-Mail Account' बटन या लिंक को क्लिक कीजिए, इससे आपको खाता खोलने के लिए एक फॉर्म दिया जाएगा, जिसके कुछ भाग यहां दिखाए गए हैं।

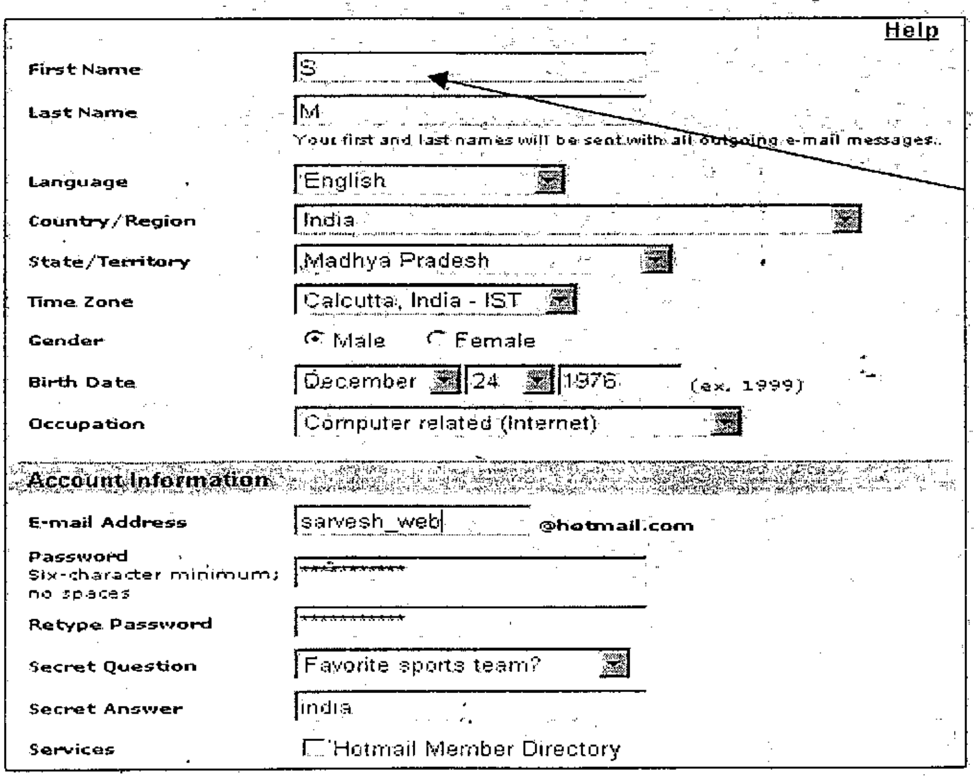

3. इस फॉर्म में मांगी गयी सभी सूचनाओं को भरिए, यदि आपने फॉर्म अधूरा भरा होगा, तो स्वीकार करने से पहले उसे पूर्ण कराया जाएगा।

5. इस फार्म में सबसे नीचे बने 'Sign Up' बटन को क्लिक कीजिए।

व्यक्तिगत मेल-बाक्स खोलना

व्यक्तिगत ई-मेल खाता बन जाने के बाद आप अपने मेल बॉक्स को कभी भी खोल सकते हैं। इस क्रिया को साइन-इन करना कहते हैं। साइन-इन करके आप उस ई-मेल खाते की सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

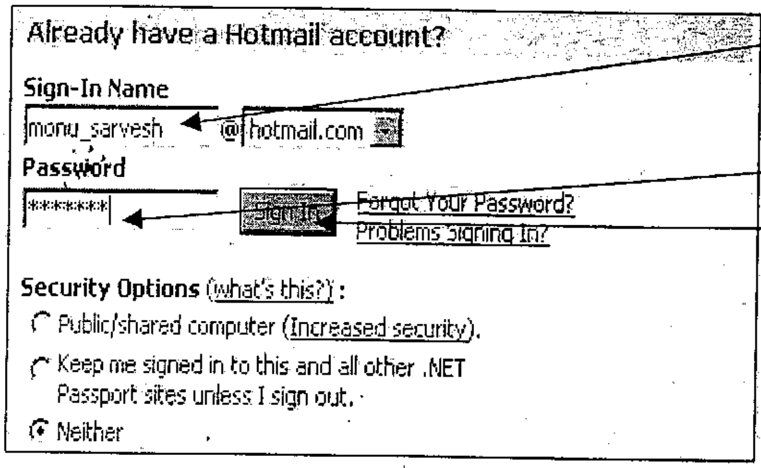

1. hotmail.com साइट को खोलिए।
2- यहां अपना यूजरनेम टाइप कीजिए।
3- यहां अपना पासवर्ड टाइप कीजिए।
4- 'Sign in' बटन को क्लिक कीजिए, जिससे आपका मेल बॉक्स खुल जाएगा। इसमें प्रारम्भ में Inbox फोल्डर खुला मिलेगा, आए हुए ई-मेल सन्देश दिखाए जाएंगे।

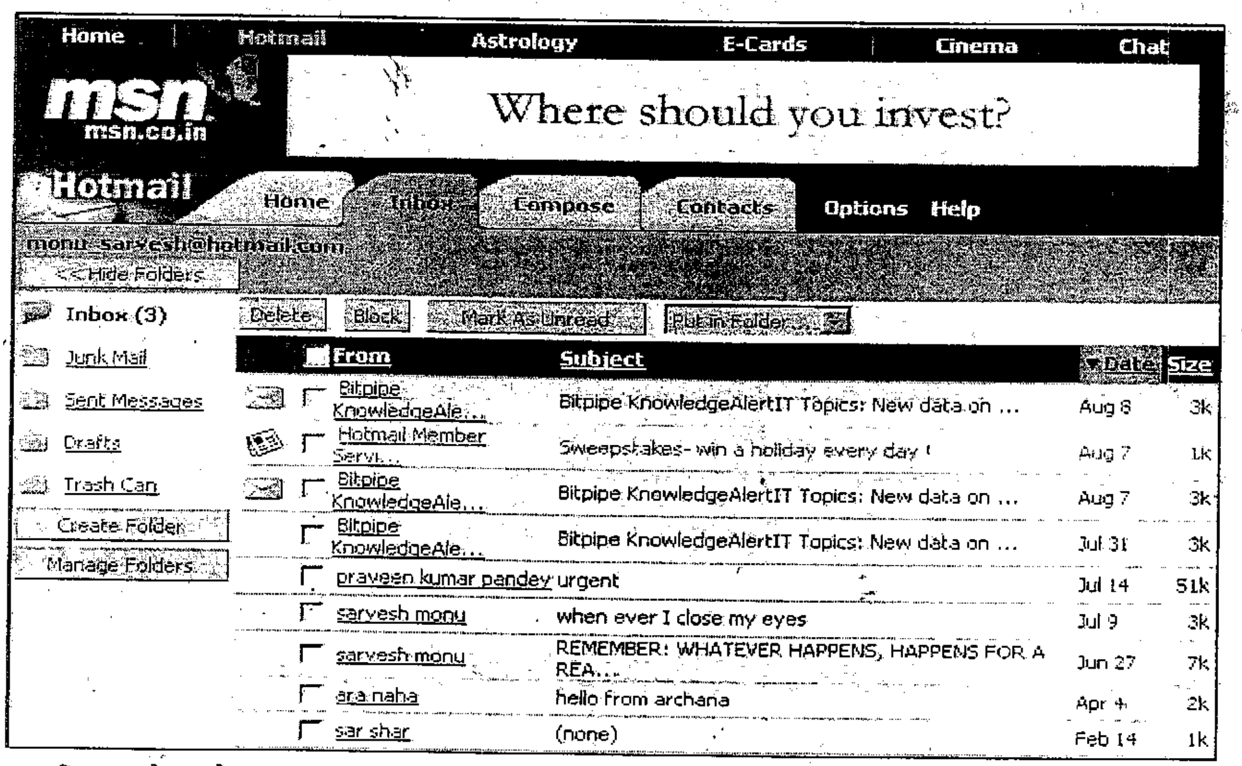

5. जिस सन्देश को आप पढ़ना चाहते हैं, उसको क्लिक करके खोल लीजिए।

व्यक्तिगत ई-मेल भेजना (Sending Personal E-Mail)

व्यक्तिगत ई-मेल खाता बन जाने के बाद आप उसमें साईन-इन करके अपनी ई-मेल भेज सकते हैं।

1. पीछे बताई गई विधि से अपने ई-मेल खाते में लॉगइन कीजिये, इससे आपका ई-मेल बॉक्स खुल जायेगा।

2- 'Compose' टैब को क्लिक कीजिये, जिसे आपको नीचे के चित्र की तरह ई-मेल भेजने का डॉयलॉग बाक्स दिया जायेगा, जो आऊटलुक एक्सप्रेस के डॉयलॉग बॉक्स की तरह ही है।

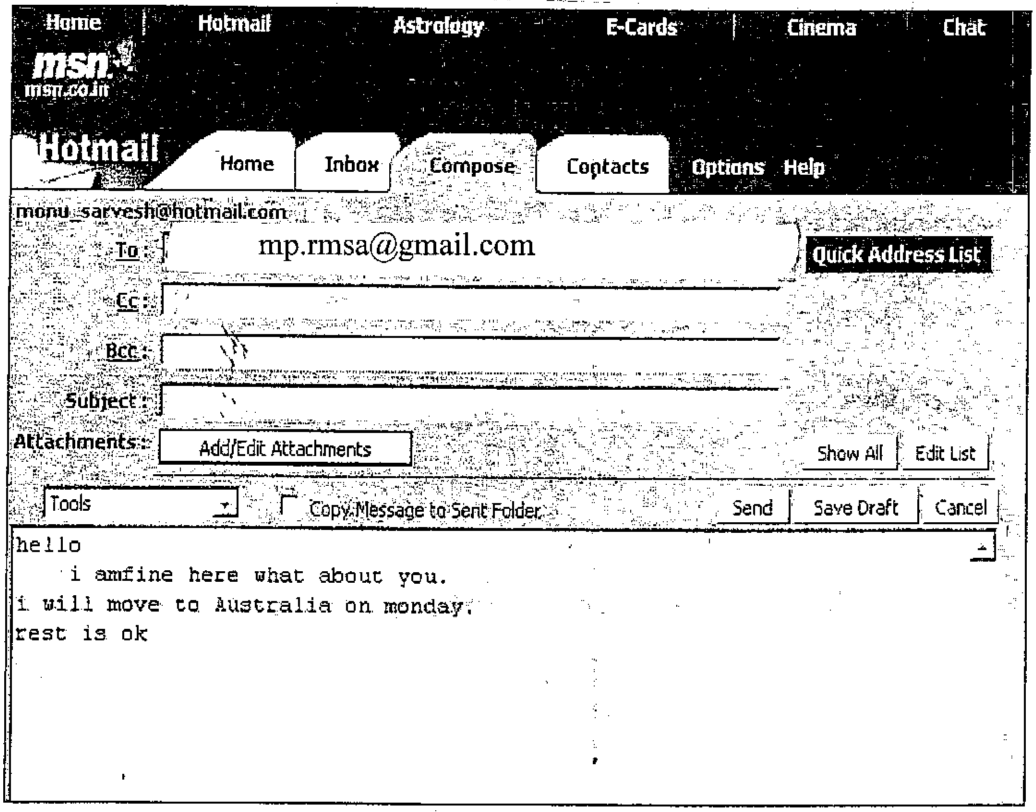

3- 'To: टैक्स्ट बॉक्स में पाने वाले का ई-मेल पता टाईप की कीजिये।

4- 'Subject: टैक्स्ट बॉक्स में विषय टाईप कीजिये।

5- नीचे के बड़े बॉक्स में अपना संदेश टाईप कीजिये।

6- अंत में 'Send' बटन को क्लिक कीजिये, जिसे संदेश भेज दिया जायेगा और उसकी सूचना आपको तुरंत दे दी जायेगी।

****